एडी की छोटी पतंग

एडी नाम का एक छोटा लड़का था. वो एक खाड़ी के ऊपर पहाड़ी पर बसे शहर में रहता था. उसका घर एक फूल बेंचने वाली दुकान के ऊपर था. हर दिन एडी काम में अपने माता-पिता की मदद करता था. माँ और पिता उसे बहुत प्यार करते थे, लेकिन वे उससे चिंतित भी थे. सुबह उठने के बाद से रात को सोने तक एडी पतंगों के अलावा और कुछ नहीं सोचता था.
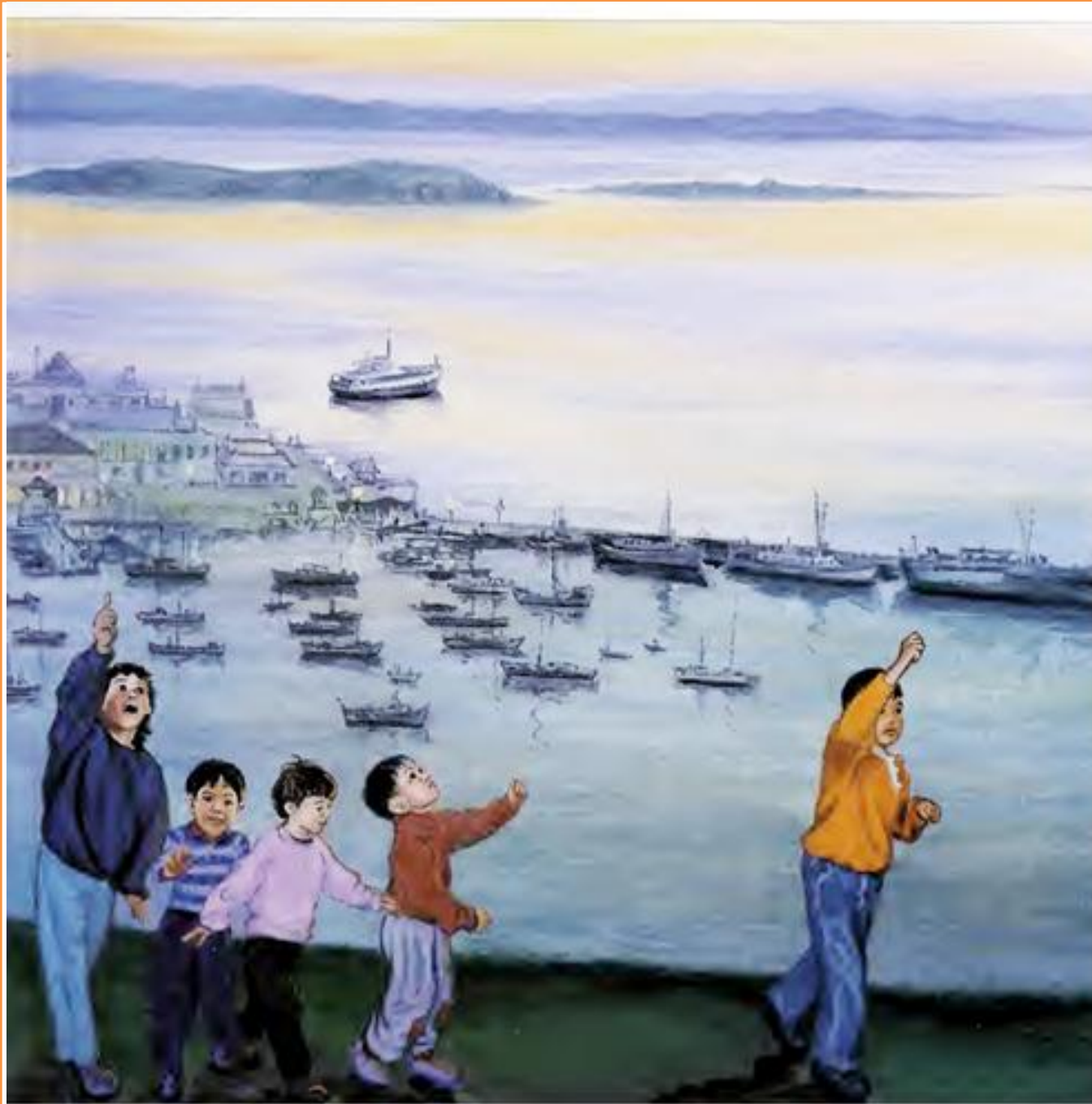
अपनी गली के अधिकांश लोगों की तरह, एडी का परिवार भी काफी गरीब था. हालांकि एडी रेशम की पतंगों का सपना देखता था पर उसके घर में सबसे छोटी कागज़ की पतंग खरीदने के लिए भी पैसे नहीं थे. इसलिए एडी अपने सपनों से ही काम चलाता था. कुछ दिनों बाद फूलों की दुकान भी बंद हो गई. फिर एडी शहर की सबसे ऊंची पहाड़ी की चोटी पर चढ़ता था. वहां, वो एक हाथ में एक काल्पनिक डोरी पकड़े हुए घास के बीच दौड़ता था.
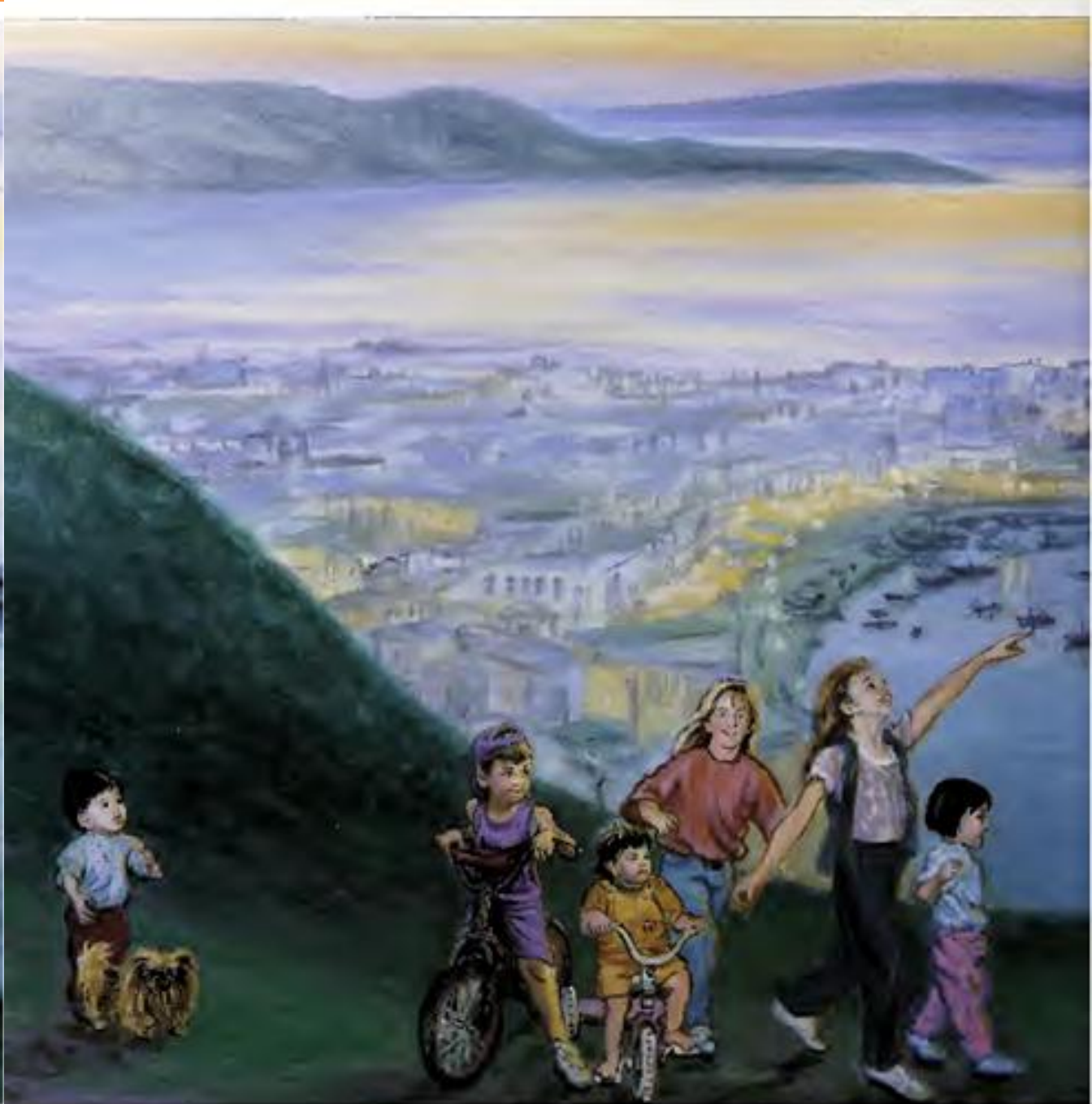
दूसरे हाथ से वो एक अदृश्य डोरी को खींचता था जैसे वो एक पतंग को ठंडे, नीले आकाश में नचाने की कोशिश कर रहा हो. पहले तो दूसरे बच्चे एडी को देखकर हंसे. फिर उन्होंने उसकी ओर देखना ही बंद कर दिया. फिर एक दिन, वे सभी एडी के पीछे-पीछे भागे, और उन्होंने एक पतंग की ओर इशारा किया जैसे वे सच में उसे देख रहे हों.

एडी के लिए साल का पसंदीदा समय पतंगों का मेला होता था. उसे जब से याद था उसने उन प्रतियोगिताओं को देखा था. उसे यह भी याद था कि बूढ़ा चान उस प्रतियोगिता में एक पुरस्कार भी देता था. चान, पूरे पड़ोस में सबसे रईस आदमी था. उसका एक बड़ा रेस्तरां और एक स्टोर था. गली में से गुजरने वाले सभी लोग रुककर उसे सलाम करते थे.

बेशक, बूढ़ा चान अब अपने रेस्तरां में काम नहीं करता था. वो केवल दुकान के बाहर बैठा रहता था और वो अपने बचपन के दिनों के बारे में सोचता था जब वो इतना रईस नहीं था - जब वो चीन में सिर्फ एक छोटा लड़का था जिसका पूरा जीवन उसके आगे पड़ा था.

उन दिनों उसका सपना सिर्फ एक कवि बनने का था. लेकिन जब उसका परिवार एक नया व्यापार करने के लिए समुद्र पार गया, तो फिर उसके पास कविता के लिए समय ही नहीं बचा. चान का सपना एक छोटे से बीज की तरह उसके हृदय में छिपा रहा, लेकिन उसने उसे कभी सींचा नहीं.

प्रत्येक गर्मियों में पतंगों के मेले की चुनौती चान ही तय करता था. एक साल सबसे तेज पतंग उड़ाने वाले को पुरुस्कार मिला. अगले साल पतंग की सबसे लम्बी पूंछ को. कोई नहीं जानता था कि इस साल बूढ़ा चान उनके सामने क्या चुनौती पेश करेगा? लेकिन जैसे-जैसे दिन बड़े और गर्म होते गए, चान को अपनी दुकान के बाहर धूप में बैठे और सोचते हुए देखा जा सकता था.

"वो पतंग के मेले की चुनौती के बारे में सोच रहा होगा," हर कोई कहता, और शायद वो बात सच भी थी. लेकिन अधिकतर चान अपने सिर के अंदर छोटी-छोटी कवितायें रचता था. उन कविताओं को वो कभी लिखता नहीं था.

इस साल जब बूढ़े चान ने चुनौती की घोषणा की, तो उससे पहली रात एडी मुश्किल से ही सो पाया. जब उसने अपनी आँखें बंद कीं, तो उसे फूलों की दुकान के ऊपर अपने छोटे से कमरे में रंग-बिरंगी आकृतियाँ दिखाई दीं. रात भर पतंग की झंकार उसके कानों में गूंजती रही.

अंत में सुबह आई, और तभी बूढ़े चान ने पतंगों के मेले में चुनौती की घोषणा की.

"इस साल," उसने कहा, "पुरस्कार सबसे तेज पतंग के लिए नहीं होगा. वो सबसे बड़ी पतंग या सबसे लंबी पूंछ के लिए भी नहीं होगा. इस साल पुरस्कार केवल उस पतंग को मिलेगा जो सबसे छोटी होगी." फिर चान धूप का आनंद लेने के लिए नीचे बैठ गया. इससे पहले कि वो सोता, उसने छोटी चीज़ों की उड़ान के बारे में एक गुप्त कविता बनाई. पर हमेशा की तरह उसने उसे लिखा नहीं.

फिर लोगों ने अपनी-अपनी पतंग पर काम करना शुरू किया. उन्होंने पतली डोर और छोटे, हल्के बांस खरीदे. जो लोग रेशम नहीं खरीद सकते थे उन लोगों ने चमकीले रंग का कागज खरीदा.
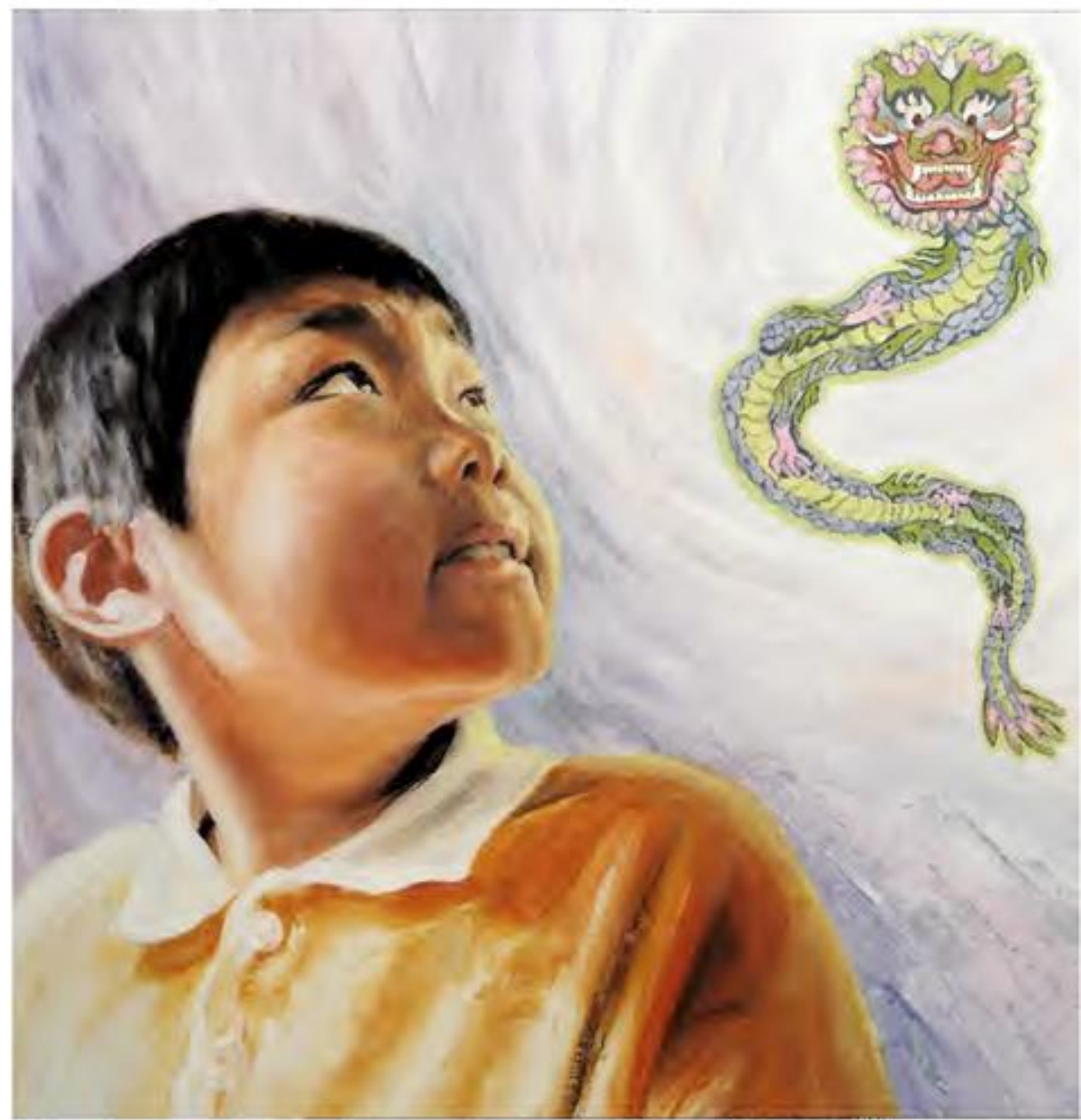
लेकिन एडी के पास तो कागज़ के लिए भी पैसे नहीं थे. प्रत्येक दिन वो अपने माता-पिता की फूल बेचने में मदद करता था, और फिर दोपहर को वो शहर की सबसे ऊंची पहाड़ी पर चढ़ता था. वहां, अपने पीछे-पीछे दौड़ते अन्य बच्चों के साथ, वो अपने सपनों की पतंग उड़ाता था.

पतंगों के मेले वाले दिन, सूरज चमका और उसके साथ-साथ तेज हवा भी चली. फिर बूढ़े चान के साथ-साथ हर कोई सबसे ऊंची पहाड़ी की चोटी पर चढ़ा. एक-एक करके, लोगों ने अपनी पतंगें उड़ाईं. अंत में आकाश रंग-बिरंगी छोटी पतंगों से भर गया.

हरेक पतंग दूसरी पतंग से छोटी थी. रेशम और कागज के छोटे-छोटे गहने धूप में नाच रहे थे. यह एक अचंभा ही था कि इस तरह की नाजुक चीजें हवा में तैर सकती थीं. परन्तु बूढ़ा चान जानता था कि वे ज़रूर उड़ेंगी.

तब चान ने एडी को देखा. "वो लड़का," उसने कहा. "वो लड़का क्या कर रहा है? लगता है जैसे वो कोई अदृश्य पतंग उड़ा रहा है." क्योंकि कुछ दूरी पर एडी दौड़ रहा था और उसके पीछे-पीछे अन्य बच्चे भी दौड़ रहे थे.

जब लोगों ने एडी को अपने सपने की पतंग को आसमान में और ऊँचा उड़ाने की कोशिश करते देखा तो पहले सभी लोग हँसे. फिर उन्होंने रुककर ज़रा गौर से देखा. बाद में, उनमें से कुछ ने यह स्वीकार किया कि उन्हें खाड़ी के ऊपर आसमान में एक छोटी और चमकीली चीज़ उड़ते हुए दिखाई दी थी.

बूढ़ा चान बेहतर जानता था. उसने उस लड़की को पुरस्कार दिया, जिसने सच में बहुत छोटी पतंग उड़ाई थी. यह बड़े आश्चर्य की बात थी कि कोई बीज जितनी छोटी चीज़ भी उड़ान के लिए पर्याप्त हवा पकड़ सकती थी.
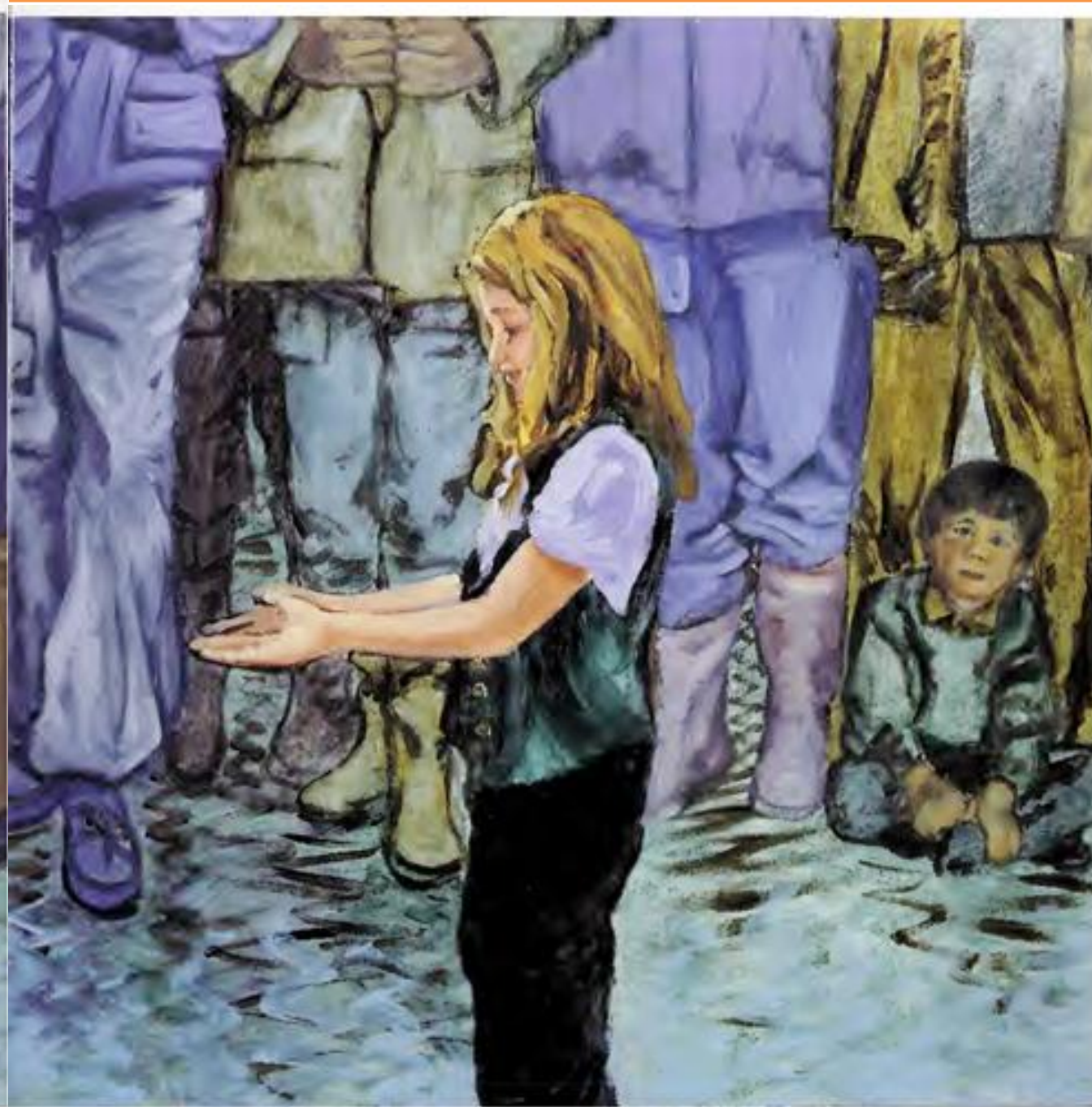
लेकिन, जब सभी लोग मेले में खाने-पीने के लिए पहाड़ी से नीचे उतर रहे थे तब बूढ़े चान ने एडी को देखा. "मेरे साथ आओ," उसने कहा.

वो साथ-साथ सड़कों के बीच से होते हुए चान की दुकान के दरवाजे तक गए. फिर वे अंदर गए. उसके काफी समय बाद बहुत खोजने, खोदने के बाद बूढ़े चान ने एडी को एक पार्सल दिया.

"तुम्हारी पतंग इतनी छोटी थी; कि वो सच में दिखाई ही नहीं दे रही थी. तुम्हें उसके बारे में कुछ करने की कोशिश करनी चाहिए."

एडी ने पार्सल खोलना शुरू किया, लेकिन बूढ़े चान ने उसे रोका. "तुम अब जाओ, अभी मुझे एक कविता सूझ रही है."

एडी ने घर पहुंचकर पार्सल खोला. लाल कागज के कवर के अंदर रेशम का कपड़ा, कुछ हल्की छड़ें, और डोर की एक गेंद थी.
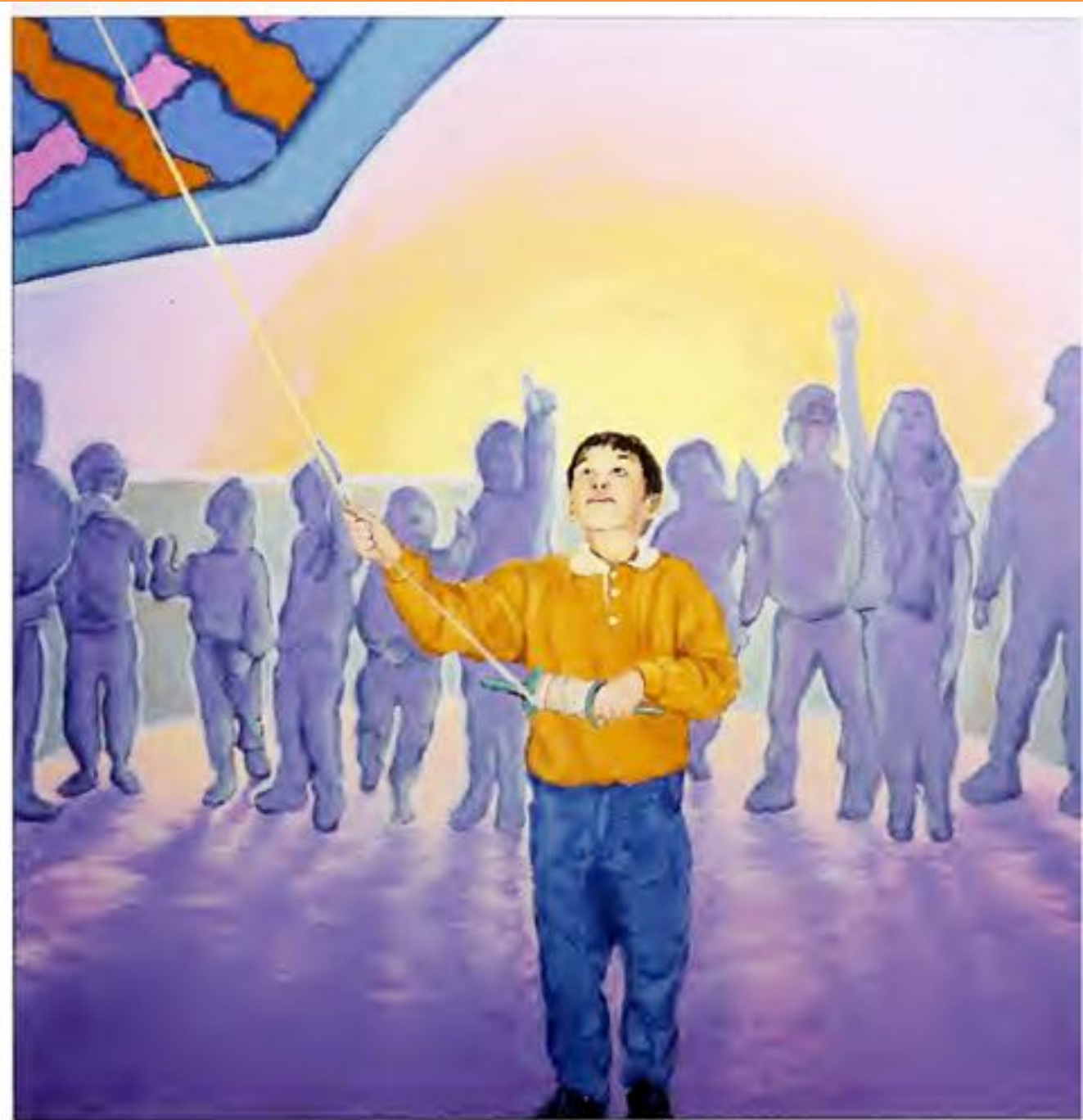
कुछ दिनों बाद सबसे ऊंची पहाड़ी के ऊपर सभी बच्चे एक बार फिर एडी के पीछे-पीछे भाग रहे थे. पर इस बार एडी की पतंग को हर कोई देख सकता था, और वो वास्तव में एक सुंदर पतंग थी.

बूढ़ा चान फिर धूप में अपनी कुर्सी पर बैठने के लिए वापस गया. अपने दिमाग में उसने एक छोटे से लड़के के बारे में एक कविता रची, जिसने सपनों की एक छोटी पतंग हवा में उड़ाई थी. वो पतंग एक बीज से भी छोटी थी. लेकिन इस बार, कविता के दूर तैरने से पहले, चान ने एक ब्रश लिया और उसे लिख डाला.

अंत